उपकार कॅरियर डेवलपमेंट सीरीज

भारतवर्ष की चर्चित महिलाएँ

लेखिका

सुधा गोस्वामी

उपकार प्रकाशन, आगरा

Introducing Direct Shopping

Now you can purchase from our vast range of books and magazines at your convenience :

- Pay by Credit Card/Debit Card or Net Banking facility on our website *www.upkar.in* *OR*
- Send Money Order/Demand Draft of the print price of the book favouring 'Upkar Prakashan' payable at Agra. In case you do not know the price of the book, please send Money Order/Demand Draft of ₹ 100/- and we will send the books by VPP (Cash on delivery).

(Postage charges FREE for purchases above ₹ 100/-. For orders below ₹ 100/-, ₹ 20/- will be charged extra as postage)

© प्रकाशक

प्रकाशक

उपकार प्रकाशन

हैड ऑफिस : 1 स्टेट बैंक कॉलोनी, निकट खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास रोड, **आगरा**–282 005

रजि. ऑफिस : 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर (शाह सिनेमा के सामने), **आगरा**–282 002

फोन : 2530966, 2531101

E-mail : care@upkar.in, **Website :** www.upkar.in

ब्रांच ऑफिस :

8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी,**

जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)

मोबा. : 7060421008

- *इस पुस्तक को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी त्रुटि के लिए प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा.*
- *इस पुस्तक को अथवा इसके किसी अंश को बिना प्रकाशक की लिखित अनुमति के, किसी भी रूप–फोटोग्राफी, विद्युत-ग्राफिक, यान्त्रिकी अथवा अन्य रूप में किसी भी प्रकार से उपयोग के लिए नहीं छापा जा सकता है.*
- *किसी भी परिवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र केवल आगरा ही होगा.*

ISBN : 978-93-6319-780-0

Code No. 525

मुद्रक : उपकार प्रकाशन (उपकार स्टेशनरी प्रा लि) बाईपास रोड, आगरा

आत्म-परिचय

नाम : श्रीमती सुधा गोस्वामी (लेखिका)

पिता का नाम : (स्व.) श्री कपिल कुमार तैलंग

माता का नाम : (स्व.) श्रीमती सरला देवी तैलंग

पति का नाम : श्री अनिल गोस्वामी
(गिटारवादक, जन्मकुण्डली विशेषज्ञ)

जन्मतिथि : 13-11-1964

जन्मस्थान : भिलाई (मध्य प्रदेश)

शिक्षा : बोकारो स्टील सिटी (झारखण्ड) तथा जयपुर में

स्थायी पता : 'कृष्णार्पण' 38, गोविन्दपुरी 'ए' रामनगर, सोडाला, जयपुर–302019 (राज.)

फोन नं. : 0141–2294043

शैक्षणिक योग्यता : डबल एम. ए. (अंग्रेजी साहित्य एवं इतिहास)

लेखन सम्बन्धी अनुभव :

वर्ष 1996 से सतत् स्वतन्त्र लेखन कार्य व रचनाओं का प्रकाशन.

1996–2008 तक प्रकाशित रचनाओं का विवरण

प्रकाशित पुस्तकें

1. भारतवर्ष की चर्चित महिलाएँ (उपकार प्रकाशन, आगरा, 2003).
2. बाल कहानियाँ (राजस्थान पत्रिका प्रकाशन, जयपुर, वर्ष 2005, 2006 के लिए).

   [यह पुस्तक जनवरी 2007 में 'दसवें' अ. भा. अम्बिकाप्रसाद स्मृति दिव्य रजत अलंकरण' पुरस्कार से सागर (म. प्र.) में पुरस्कृत तथा DPEP की तरफ से सम्भवतः 2006 में स्कूलों में वितरित हुई.]
3. राजस्थान सामान्य ज्ञान दिग्दर्शिका (उपकार प्रकाशन, आगरा, 2006-RAS/RTS व अन्य परीक्षाओं के लिए उपयोगी).

   आकाशवाणी जयपुर से दो बार वर्ष 2001-02 में कविताओं का प्रसारण.
4. राजस्थान करेन्ट अफेयर्स (2006-07, 2007-08) (उपकार प्रकाशन, आगरा).

अन्य

विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं–हिन्दुस्तान टाइम्स, दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका, चम्पक, बालहंस, बच्चों का देश, सुमन सौरभ, सरस सलिल, गृहशोभा, नवनीत, पाथेय

कण, प्रतियोगिता दर्पण, सामान्य ज्ञान दर्पण, ओजस्विनी, अनुकृति, जगमग दीपज्योति आदि में कहानी, व्यंग्य, ऐतिहासिक लेख, कविताएँ, पत्र, फोटोग्राफ आदि प्रकाशित- 'निर्झर' काव्य संग्रह (दीपज्योति पब्लिकेशन, अलवर) वर्ष 2007 में दो कविताएँ (मेरा देश, अजनबी दुनिया) तथा 'यादों की नगरी' कहानी संग्रह (दीपज्योति पब्लिकेशन, अलवर) वर्ष 2007 में दो कहानियाँ (वह वृद्धा, अजनबी दोस्त) संकलित व प्रकाशित. बचपन के संस्मरण 'बीता बचपन बीती यादें' बालहंस में 2 जुलाई, 2001 से 2 मार्च, 2002 तक धारावाहिक रूप से 17 किस्तों में प्रकाशित. इसके अलावा नाट्य लेखन (तीन नाटक–'रचना की वापसी', 'मैना का बलिदान', 'क्रांतिकारी आन्दोलन की शहीद बालाएँ : शान्ति, सुनीति'), यात्रा–संस्मरण 'सफर के साथी', कढ़ाई कला से सम्बन्धित 'सिंधी कढ़ाई से सजे परिधान' अप्रकाशित.

रुचियाँ व शौक

सिलाई-कढ़ाई, बुनाई, पाक कला (व्यंजन बनाना व सीखना) चित्रकला, खेलों में बैडमिंटन विशेष प्रिय. पुस्तकें पढ़ना, घूमना-फिरना (पर्यटन) आदि.

विशेष : वर्ष 1976 में कक्षा 7 (मिडल स्कूल) में चित्रकला में प्रथम स्थान (गोल्ड मेडल).

प्राक्कथन

'भारतवर्ष की चर्चित महिलाएँ' नामक अपनी प्रथम पुस्तक का पुनर्मुद्रित व परिवर्द्धित संस्करण दो भागों में आप पाठकों के सम्मुख रखते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है. प्रस्तुत पुस्तक का प्रथम संस्करण वर्ष 2003 ई. में प्रकाशित हुआ था.

सर्वप्रथम मैं उन सभी व्यक्तियों, महानुभावों, पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं की आभारी हूँ व धन्यवाद देना चाहती हूँ जिनके सहयोग से मेरी यह प्रथम पुस्तक तैयार हो सकी है.

सबसे पहले मैं ईश्वर का स्मरण करते हुए अपने परम पूज्य पिता स्व. श्री कपिल कुमार तैलंग की हृदय से आभारी हूँ, जो 25 जनवरी, 2009 को दिवंगत हो चुके हैं. मेरे आदि प्रेरणा स्रोत पिताजी की प्रेरणा व उत्साहवर्धन से ही मैं इस कार्य को कर सकने में समर्थ हो सकी हूँ. बचपन में अपनी माता (स्व. सरला देवी तैलंग) के आकस्मिक निधन से पिता की छत्रछाया में ही पल-बढ़कर आज इस लायक बन सकी हूँ. पिताजी का आदर्श वाक्य ''कोई भी कार्य अधूरा मत छोड़ो जी-जान से पूरा करो. अपनी तरफ से ईमानदारी व निष्ठा का पालन करते हुए जीवन में अग्रसर रहने का प्रयास करो'' मेरे प्रेरणा स्रोत हैं. साथ ही अपने जीवनसाथी पति श्री अनिल गोस्वामी व अपने छोटे भाई श्री विनोद कुमार तैलंग की विशेष आभारी हूँ जिन्होंने इस पुस्तक को तैयार करवाने में मेरा सहयोग किया.

वर्ष 1996 ई. से मैंने लेखन के क्षेत्र में कदम रखा. मेरी कहानियाँ, व्यंग्य, लेख, कविताएँ, पत्र इत्यादि विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं जैसे—चम्पक, बच्चों का देश, बालहंस, ओजस्विनी, सुमन सौरभ, सरस सलिल, नवनीत, अनुकृति, प्रतियोगिता दर्पण, सामान्य ज्ञान दर्पण, गृहशोभा, जगमग दीपज्योति, पाथेय कण में प्रकाशित हुए. आकाशवाणी जयपुर से भी मेरी कविताएं प्रसारित हुईं. मुझे इस कार्य में सफलता मिली व अपने परिवार का पूर्ण सहयोग मिला. विवाह पश्चात् मैंने एम. ए. (इतिहास व अंग्रेजी) किया. अध्ययन के दौरान मैंने महिलाओं के बारे में विशेष दिलचस्पी लेनी शुरू की. मैंने आरएएस व आईएएस की परीक्षा भी दी. कम्पटीशन की तैयारी करते समय ही इतिहास के अध्ययन के दौरान महिलाओं में बढ़ती दिलचस्पी ने लेख का रूप लेना शुरू किया. मुझे लगा कि हमारे अतीत से वर्तमान तक महिलाओं का कितना प्रभाव पड़ता है ? माँ, बहन, पुत्री व पत्नी के विभिन्न रूपों से साक्षात् हुआ. समाज में प्रचलित महिलाओं की

स्थिति के बारे में जानकारी बढ़ी. हमारे देश की महिलाओं ने विश्व पटल पर भी अपनी पहचान कायम की, परन्तु फिर भी महिलाओं की स्थिति दयनीय नजर आई. कन्या भ्रूण हत्या, दहेज के लिए महिलाओं को प्रताड़ित करना, लिंगभेद इत्यादि ने सोचने पर मजबूर किया कि जिन स्त्रियों को हमारे समाज में देवियों के रूप में पूजने की परम्परा है, आराधना होती है, बल, बुद्धि, शक्ति के लिए हम उनकी उपासना व प्रार्थना करते हैं उस समाज में महिलाओं के साथ इतना भेदभाव कुछ वर्ग विशेष में क्यों है ? विद्या के लिए सरस्वती, धन-वैभव व समृद्धि के लिए लक्ष्मी, शक्ति के लिए दुर्गा की उपासना होती है फिर भी हमारे समाज में उन्हें 'अबला' व 'हीन' क्यों माना गया ? क्यों नहीं उनकी महत्ता स्वीकार की जाती है ? परिवार समाज में उनकी स्थिति अभी भी सुधरी नहीं है. ''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता'' अर्थात् ''जहाँ नारियों की पूजा की जाती है वहाँ देवताओं का वास होता है'' जैसी सोच वाले हमारे देश में क्यों इतनी क्रूरता के उदाहरण मिलते हैं ? शिक्षा प्राप्ति, व्यवसाय में भेदभाव, शोषण इत्यादि क्यों है ? इन्हीं सवालों के मंथन ने मुझे इतिहास का अध्ययन और भी गहराई से करने को प्रेरित किया कि क्या हमारे भारतवर्ष में प्राचीनकाल से ही इसके अंकुर मौजूद थे या ये सब मुस्लिमकाल, मुगलकाल, राजपूतकाल व ब्रिटिशकाल की देन हैं ?

इतिहास पढ़ने से, इतिहास के अथाह सागर में गोता लगाने से कुछ ऐसे रत्नों की प्राप्ति हुई जिनसे कुछ हद तक उपर्युक्त प्रचलित मान्यताओं का खण्डन हुआ. मैं प्राचीनकाल की स्त्रियों के विषय में जो सुनती आई थी, पढ़ा तब ज्ञात हुआ कि प्राचीनकाल में भारत में शिक्षा का प्रसार था. बहुतसी विदुषियाँ हुई हैं, जो आज भी आदरणीय व अनुकरणीय हैं. उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में धैर्य धारण किया, कठिन समय में कड़ी परीक्षा दी. अपनी भावी पीढ़ियों व सन्तानों को उच्चादर्श की थाती दी. ऐसे पुत्र-रत्न पैदा किए जिनसे भारत की संस्कृति फली-फूली, पत्नी के रूप में पतियों के लिए प्रेरणा बनीं, जन्मभूमि व देश से प्रेम का पाठ पढ़ाया, पुत्री के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, बहनों ने भाइयों को प्रेरणा दी, कर्तव्य-पथ पर आगे बढ़ने को सदैव प्रेरित किया. ऐसी महान् माताओं, पत्नियों, पुत्रियों व बहनों के योगदान से हमारा भारत सम्पन्न हुआ. उनके ज्ञान, भक्ति, वैराग्य से संस्कृति पुष्पित-पल्लवित हुई. उन्हें भूलना हमारे लिए असम्भव है. भावी पीढ़ियों के लिए उनके आदर्श, त्याग व बलिदान की गाथाएँ सँभालना आवश्यक है. अतः उनके चरित्र से प्रेरणा प्राप्त कर मैंने उन्हें, जो इतिहास के पन्नों में यत्र-तत्र बिखरी थीं, कहीं-कहीं केवल नाममात्र का ही उल्लेख था, एकतरफा संकलित करना शुरू कर दिया.

संकलन का यह कार्य बढ़ते-बढ़ते लेख का रूप लेने लगा. मैंने उन्हें कालक्रम (प्राचीन, मध्य, आधुनिक व वर्तमान) के रूप में व्यवस्थित किया. इसे सर्वप्रथम 'प्रतियोगिता दर्पण' में प्रकाशित होने के लिए भेजा. प्रथम प्रयास में ही मुझे सूचना मिली कि मेरा लेख किताब के रूप में प्रकाशित करने का विचार है व इसमें कम-से-कम तीन महीने का समय लगेगा. मैंने अपनी स्वीकृति भेज दी. इसके बाद यह लेख 'प्रतियोगिता

दर्पण' में जुलाई से दिसम्बर 1999 ई. तक छः भागों में प्रकाशित हुआ. उस वक्त मैंने स्वतन्त्रता प्राप्ति (1947) तक जिन महिलाओं का योगदान रहा उन्हें संकलित किया था. इस लेख के प्रकाशन से मुझे जो प्रेरणा व उत्साह प्राप्त हुआ, वह अवर्णनीय है. मैं 'प्रतियोगिता दर्पण' के सम्पादक मण्डल व 'उपकार प्रकाशन' की कृतज्ञ हूँ जिन्होंने इसे प्रकाशित कर अपना अमूल्य सहयोग दिया.

प्रस्तुत पुस्तक के प्रकाशन में मेरी कोशिश रही है कि भारतवर्ष का इतिहास रचने में जिन महिलाओं का अमूल्य योगदान रहा है वे इसमें शामिल होने से वंचित न रह जाएं. अपनी तरफ से मैंने यही कोशिश की है कि महिलाओं के विषय में जो जानकारी प्राप्त हुई उसे यथासम्भव सही व उचित ढंग से शामिल किया जाए, ताकि विवरण अधूरा न रहे. मैं अपने इस प्रयास में कहाँ तक सफल रही हूँ, यह पुस्तक प्रकाशन के उपरांत ही आप पाठकों की सम्मति से पता चलेगा.

मैं कुछ पुस्तकों का उल्लेख करना चाहती हूँ जिनका अध्ययन मैंने किया व मेरे पास उपलब्ध थीं. उनमें प्रमुख हैं–वैदिक साहित्य–पं रामगोविन्द त्रिवेदी, प्राचीन भारत–राधाकुमुद मुखर्जी, कौशाम्बी–श्री एवं श्रीमाली, मिश्र, मध्यकाल–हरिश्चन्द्र वर्मा, ए. एल. श्रीवास्तव, दक्षिण–नीलकण्ठ शास्त्री, आधुनिक भारत–कुमार एवं कुमार, सुमित सरकार, श्रीनेत्र, विपिनचन्द्र, पी. एल. गौतम, राजस्थान व मध्यकाल के लिए–शर्मा एवं व्यास. विभिन्न पत्र-पत्रिकाएँ इत्यादि, क्रान्तिकारियों के अध्ययन के लिए श्रीकृष्ण सरल, आधुनिक एवं वर्तमान-काल के लिए कल्याण का नारी अंक, 'हिन्दुत्व' बलिदान अंक, संगीत से सम्बन्धित जो गायन, वादन व नृत्य में मशहूर रहीं के लिए श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग (हमारे संगीतरत्न), सुजस वार्षिकी के अंक, प्रतियोगिता दर्पण आदि. इन सबके अध्ययन के आधार पर मैंने अध्ययन की सुविधा के लिए काल के हिसाब से पहले तीन खण्डों (भागों) में बाँटा था– प्राचीनकाल, मध्यकाल व आधुनिक (वर्तमानकाल भी). अब यह पुस्तक दो भागों में प्रकाशित हो रही है. प्राचीनकाल के अन्तर्गत मानव जाति के आदि सर्ग की माता शतरूपा, विभिन्न देवियाँ (पार्वती, लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा, अदिति, दिति, इन्द्राणी आदि, ऋग्वेदकालीन प्रमुख नारियाँ (अपाला, घोषा, मैत्रेयी, गार्गी, सुलभा इत्यादि विदुषी नारियाँ), जैन धर्मकालीन प्रमुख नारियाँ, बुद्धकालीन, दक्षिण की संगमकालीन, गुप्तकालीन महिलाओं का वर्णन संकलित है, जो शिक्षा, साहित्य, बुद्धि, ज्ञान, वैराग्य में बढ़ी-चढ़ी थीं.

मध्यकाल के अन्तर्गत सिंध के राजा दाहिर की कन्याओं से लेकर मुस्लिमकाल, मुगलकाल, राजपूतकाल (जिनमें मध्य प्रदेश व राजस्थान की वीरांगनाएं शामिल हैं), दक्षिण के विजयनगर साम्राज्य की महिलाएँ जो शौर्य, पराक्रम, बुद्धिमत्ता, रणचातुर्य, शिक्षा, संगीत, साहित्य में उल्लेखनीय भूमिका के कारण चर्चित रहीं.

आधुनिककाल में 1857 ई. के विद्रोह में अंग्रेजी शासन के खिलाफ हथियार उठाने वाली वीरांगनाएँ, क्रान्तिकारी व स्वाधीनता-संग्राम में अपने अमूल्य योगदान से समृद्ध करने वाली महिलाएँ शामिल हैं.

इस पुस्तक में कालक्रम समझने के लिए परिशिष्ट भी शामिल किया गया है. वर्तमान में विविध क्षेत्रों से सम्बन्धित जैसे–राजनीति, खेलकूद, संगीत, फिल्म, नृत्य, साहित्य, विज्ञान, कला, व्यवसाय, शिक्षा में विशेष उपलब्धि प्राप्त महिलाओं का वर्णन है जिन्होंने अनेक पुरस्कार व सम्मान भी प्राप्त किए हैं व अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान कायम की है. जो महिलाएँ किसी-न-किसी कारण से अक्सर चर्चाओं में शामिल रही हैं उन सभी प्रमुख महिलाओं को इस पुस्तक में शामिल किया गया है, जो हमारे लिए प्रेरणा व आदर्श प्रस्तुत करती हैं. पुस्तक में केवल गुणी महिलाएँ ही नहीं हैं, बल्कि कुछ कुख्यात व बदनाम चरित्र भी हैं जिनका प्रतिशत बहुत कम, न के बराबर है का भी उल्लेख है. उन्हें शामिल करने का उद्देश्य यही है कि उन्हें किस कारण से बदनामी या अपयश मिला, उसके कारणों पर प्रकाश पड़ सके. ऐसी महिलाएँ भी चर्चित रही हैं अतः उन्हें शामिल करना आवश्यक समझा.

वैसी महिलाएँ जिनके चरित्र उदात्त व अनुकरणीय रहे हैं, जिनका प्रभाव परिवार, समाज, देश व विदेशों में रहा, जो हमारे लिए अनुकरणीय व पूजनीय हैं उनका उल्लेख करने का पूरा प्रयत्न किया गया है. उनसे सम्बन्धित जानकारी जुटाने की पूरी कोशिश कर उन्हें प्रस्तुत किया गया है, ताकि नारी जाति को अपने ऊपर गर्व व अभिमान हो सके. वे अपने आपको हीन व अबला न समझें. अपनी शक्ति, क्षमता को पहचानें. अपने कार्यों से परिवार, समाज, देश, विदेश के लिए आदर्श बनें यही मेरा उद्देश्य है.

पुस्तक को सचित्र रखने का प्रयत्न किया गया है, ताकि यह आम पाठकों व परीक्षार्थियों के लिए उपयोगी बन सके. मैं उन सभी स्रोतों, फोटोग्राफरों व चित्रकारों की आभारी हूँ जिनके चित्रों का समावेश इस पुस्तक में किया गया है. अपनी जानकारी में मैंने यथासम्भव सही जानकारी जुटाकर प्रस्तुत करने की कोशिश की है कि इस पुस्तक में त्रुटि कम-से-कम हो. फिर भी सम्भव है कहीं त्रुटि या कमी रह गई हो. गलतियाँ होना स्वाभाविक है. यह स्रोत पर निर्भर है. त्रुटिहीन रखने के प्रयत्न में मैं कहाँ तक सफल हो पाई हूँ यह आपकी सम्मति से ही पता चल सकेगा. यदि कोई कमी आपकी नजर में आए, तो निःसंकोच अवगत कराएं, ताकि उसे संशोधित किया जा सके. कृपया अपने अमूल्य सुझावों से अवगत कराने का प्रयत्न करें व निःसंकोच अपनी राय भेंजे. आपकी प्रतिक्रिया का इंतजार रहेगा.

धन्यवाद सहित

–सुधा गोस्वामी

विषय-सूची

अध्याय पृष्ठ-संख्या

प्राचीनकाल [आदिकाल–1200 ई.]

1. आदिकाल की महिलाएँ **4–9**

सिंधु घाटी सभ्यता, शतरूपा, सावित्री, सती, पार्वती, सरस्वती, लक्ष्मी, दुर्गा.

2. ऋग्वेदकालीन महिलाएँ **10–17**

अदिति, दिति, द्यावा और पृथिवी, सीता, कद्रू, उषा, सूर्या, शची (इन्द्राणी), जुहू, यमी, श्रद्धा, वाक् देवी, इला, भारती, सिंधु, कांक्षावृति, सरण्यू, सिनीवाली और राका, असुदेवी, पृश्निदेवी, अरण्यानी, घोषा, अपाला, लोपामुद्रा, रोमशा (लोमशा), विश्ववारा, सर्पराज्ञी, ममता, उर्वशी, शश्वती, मुद्गलानी, दनु, वृचया, उशिज, विश्पला, सरमा, गन्धर्वगृहीता.

3. उपनिषद्कालीन महिलाएँ **18–20**

सुलभा, कात्यायनी और मैत्रेयी, गार्गी.

4. वैदिकोत्तरकालीन महिलाएँ **21–22**

मंदालसा, नागकुमारी नर्मदा, चित्रलेखा.

5. महाकाव्यकालीन महिलाएँ **23–23**

महारानी 'हो' सत्यवती.

6. जैनधर्मकालीन महिलाएँ **24–29**

वामा, प्रभावती, पुष्पचूला, त्रिशला, यशोदा, सुदर्शना, प्रियदर्शना, छलना, प्रभावती, मृगावती, शिवा, ज्येष्ठा, चेलना और पद्मावती, मृगावती, चंदना (चंदनबाला), देवानंदा, जयन्ती, ब्राह्मी और सुन्दरी.

7. बुद्धकालीन महिलाएँ (छठी शताब्दी ई. पू.) **30–38**

दाक्षी, महामाया (मायादेवी), महाप्रजापति गौतमी, कोशलदेवी, वाजिरा, मल्लिका, वासवरवत्तिया, महाप्रज्ञावती खेमा, सुभद्रा, अभरा और उदुम्बरा, वासवी, भद्राकुंड केशा, सुभा, सुमेधा और अनोपमा, आम्रपाली (अम्बपाली), वासवदत्ता, पद्मावती और सागरिका, यशोधरा (गोपा), सुजाता, कुवलया, नन्दा, किसा गौतमी, भद्राकापिला, मण्डपदायिका, सुप्रिया, मिगार माता विशाखा, पटाचारा, धर्मदिन्ना, उत्पलवर्णा.

8. मौर्यकालीन महिलाएँ **39–42**

यूनानी राजकुमारी, सुभद्रांगी, चारूवाकी (कारूवाकी), पद्मावती, असंधिमित्रा, रानी तिष्यरक्षिता, अस्सेकेनाय की वीर रानी राजमाता क्लियोफिस, मुरा, यशोमती, दुर्धरा, श्रीदेवी (महादेवी), संघमित्रा.

9. आन्ध्रकालीन (सातवाहन) महिलाएँ **43–48**

नागनिका, रानी गौतमी बालश्री.

गुप्तकालीन महिलाएँ

कुमारदेवी, दत्तदेवी, कुबेरनागा, ध्रुवस्वामिनी (ध्रुवदेवी), प्रभावती गुप्त, अजीत भट्टारिका, अनन्तदेवी, देवकी, हरिस्वामिनी, शील भट्टारिका, वसन्तसेना, इरावती, विद्योतमा, महादेवी तथा गौप्ति गुप्त.

उत्तरगुप्तकालीन महिलाएँ

हर्षगुप्ता, महासेन गुप्ता, श्रीमती देवी, श्रीकोण देवी, श्रीदेवी, देवी जयस्वामिनी, उपगुप्ता.

10. मिथिला की विदुषियाँ (पूर्व मध्यकाल) **49–51**

भारती, विजया, लखिमा ठकुराइनि, क्रान्तिमती, रक्षाम्बा, पद्मावती एवं मुरसीर, महालक्ष्मी, शची देवी, चामुण्डा, लखिमा, चन्द्रकला, कादम्बरी.

11. दक्षिण भारत की प्रमुख महिलाएँ **52–64**

पण्डैया, औवइयार, शीलमहादेवी, शेम्बियन महादेवी, मृणालवती, कुंदवई, चंद्रबेलब्बा, कण्णगी (कन्नगि, कन्नकि) मोल्ला, रानी रंगाजम्मा, आंडाल (कोदई) कारइक्काल अम्मई, रेखा, शंखा, लोकमहादेवी, त्रैलोक्य महादेवी, बोंथादेवी, कंचनदेवी, कंचुकी, वीणापोट्टिगल, अक्का देवी, कुण्डाबाई, विजय भट्टारिका, रामभद्राम्बा, मयणल्ल देवी, पुनीतवती (कारैक्काल अम्मैयार), मंगैयर्करशि, तिलकवतियार, सोवला देवी, गंगादेवी, नागलादेवी, तिरूमाला देवी और चिंता देवी, अन्नपूर्णा देवी तिरूमाला देवी, वरदादेवी, महादेवी यक्का, सुभद्रा, मरियम्मा, येलम्मा.

12. प्राचीनकाल की प्रमुख शासिकाएँ एवं विविध क्षेत्र की महिलाएँ **65–74**

सुगंधा, डोमरानी, सूर्यमती, दिछा (दिद्दा), कोटारानी (रानी कोटा), गुण्डिचा देवी, महारानी रौर (लाडीबाई या रानीबाई), सूर्यदेवी व परमल (परमाल देवी), अवन्ती सुन्दरी, लीलावती, खना, रानी यशोमति, राज्यश्री, अप्पादेवी, पुष्पावती, भद्रा, रानी पद्मिनी और रानी दुर्लभ देवी, गौरी देवी, संयोगिता (संयुक्ता), कांचन देवी, कर्पूरी देवी, अच्छनकुमारी (इच्छिनी) रानी उर्मिला, जया देवी, महारानी नोहला, सोमल्ल देवी, रण्णा देवी.

परिशिष्ट (प्राचीनकाल) **75–100**

मध्यकाल [1200–1857 ई. के पूर्व तक]

1. मध्यकालीन महिलाएँ : सल्तनत काल (1200–1526 ई.) **103–113**

राजमाता कर्मदेवी, सुल्ताना रजिया, मलिका-ए-जहाँ (शाह तुर्कान), लीलादेवी, विद्युल्लता, कमलादेवी, रानी पद्मिनी, देवल देवी, राजकुमारी

फिरोजा, क्षत्राणी विदुला, रूपा देवी, चिमना, रानी रंगदेवी, राणा हम्मीर की वीर पत्नी, हंसाबाई, सौभाग्यदेवी, शृंगार देवी, भारमली, राजकुमारी रत्नावती, वीरमती, प्रभावती, रानी रुद्रम्बा, मखदुमा जहाँ.

2. मुगलकालीन राजपूत एवं अन्य वीरांगनाएँ 114–127

राजमाता कर्मवती (करुणावती या करमेती), पन्नाधाय, रंगराय, उमादे (रूठी रानी), स्वरूपदे, रमावती और लाछलदे, कनकाबाई और लालबाई, लाड मलिका, ताराबाई (रानी ताराबाई), जैबन्द, कमलावती, रमाबाई, जवाहरबाई, शिलादपत्नी दुर्गावती, बालाबाई.

अकबरकालीन राजपूत महिलाएँ

वीरा, फूलकुँवर, जयवन्ताबाई (महाराणा प्रताप की माता), अजबादे, किरण देवी (जयावती), कर्मदेवी, कमलावती और कर्णवती, रानी रूपमती, रानी दुर्गावती, कमला देवी, चाँदबीबी, अक्षय देवी.

शाहजहाँ व औरंगजेबकालीन महिलाएँ

जसवन्तसिंह की रानियाँ.

औरंगजेबकालीन महिलाएँ

चंचल कुमारी (रूपमती), रूपमती, चारुमती, हाड़ा रानी, फूलदेवी, महारानी महामाया, राणू बाई, रुक्मिणी बाई, यशोदाबाई.

3. बुंदेलखण्ड की वीरांगनाएँ 128–131

गणेशकुँवरि, रानी पार्वती, चम्पावती व जमुना (दासी), कुंजन, लालकुँवरि (सारन्ध्रा), देवकुँवरि, वीरांगना जैतकुँवरि, वीरमाता देवल देवी, जमुना.

4. मुगलकालीन महिलाएँ (बेगमें) 132–141

ऐसान दौलत बेगम, कुतलुक निगार खानम, खानजादा बेगम, माहिम बेगम, गुलबदन बेगम, बेगा बेगम, हमीदा बानो बेगम, हाजी बेगम, जीजी अनगा, माहम अनगा, सलीमा बेगम, मरियम उज्जमानी (जोधाबाई) तुर्की सुल्ताना (रुकिया बेगम), हरखाबाई, बख्तुन्निसा बेगम, जगत गोसाईं, मानबाई मेहरुन्निसाँ (नूरजहाँ), अस्मत बेगम, लाड़ली बेगम, अर्जुमन्द बानू बेगम (मुमताज महल), सतीउन्निसा खानम, रोशनआरा, जहाँआरा, बेगम नादिरा, दिलरास बानो बेगम, रबिया-उद-दौरानी, जीनतुन्निसा जैबुन्निसा), शफीयतुन्निसा, खैरुन्निसा, लाल कुमारी.

5. विविध क्षेत्रों से सम्बन्धित मध्यकालीन महिलाएँ 142–157

मीराबाई, सरस्वती देवी और तिलोकी देवी (त्रिलोक देवी) हब्बाखातून, लल्ला, बहिनाबाई, विद्या, इच्छावती, रुक्मिणी, महालक्ष्मी, रत्नमणिदेवी, भडली, सहजोबाई और दयाबाई, रत्नावली, मलयबाई देसाई, बनी-ठनी, गौहरजान, नरुकीजी, श्रीमती बदनी देवी, बसंती देवी, कैलाश गायिका, कूकी, उदयपुर की 'गलकी', सिणगारी (नटनी), जयसुख बाई, बाँकावती, सुन्दर कुँवरि, प्रताप कुँवरि (प्रतापबाला).

मध्यकालीन प्राचीन ग्रन्थों में वर्णित नृत्य संगीत से सम्बन्धित महिलाएँ

कलावती, कामकन्दला, गणिका 'कोशा', छिताई, राजकुमारी सुर सुन्दरी, राजकुमारी सोहग सुन्दरी, अनंगसेना.

मध्यकालीन अन्य महिलाएँ

अत्तिया बेगम, नन्हींबाई, गोकीबाई, रसकपूर, हरगोविन्द नाटाणी की पुत्री, राजमती, उमराव बेगम, तृप्ता, नानकी, सुलक्खिनी देवी, मूमल, गौरीबाई, जनीबाई, इमरती देवी विश्नोई.

6. मराठा-ब्रिटिशकालीन महिलाएँ (1857 ई. से पूर्व) 158–167

जीजाबाई, तुकाबाई मोहिते, सईबाई निम्बालकर, सोयराबाई, सावित्रीबाई, येसूबाई, ताराबाई, राजसबाई, सकवारीबाई तथा सगुणाबाई, विकबाई, मस्तानी, राधाबाई, गोपिकाबाई, बेगम बड़ी साहिबा, अहिल्याबाई होल्कर, मुक्ताबाई, भीमाबाई, रानी चेनम्मा.

7. मुगल-मराठा ब्रिटिशकालीन महिलाएँ (1857 ई. से पूर्व) 168–182

चन्द्रकुँवरि और सूरजकुँवरि, अमरकुँवरि (कछवाही रानी) और चूड़ावती रानी, कृष्णाकुमारी, रानी देवकी, चूँडावतजी, राजकुमारी कृष्णाकुमारी, रानी साहबकुँवरि, अमरोदेवी, साहेब कुँवरि, महारानीजिंदा, मुगलानी बेगम, बेगम समरू, स्वर्णमयी, राजबाई, रानी भवानी, जेठीबाई, जयमती, बेलुनचियार, सुन्दरकुँवरि, डईया खड़िया, रतना खड़िया, पंडरी, बुधमनियाँ, हुलसी, चुनिया, रुकमणिबाई, मुक्ताबाई, मीराबाई, नीरू, लोई, कमाली.

आधुनिक व वर्तमानकाल [1857 ई.–2000 ई. के पूर्व तक]

1. 1857 ई. के विद्रोह की वीरांगनाएँ 185–192

देवी चौधरानी, बेगम हजरतमहल, मैना, वीरांगना झलकारीबाई, जूही और मुन्दर, महारानी लक्ष्मीबाई, जीनतमहल, नर्तकी अजीजन बेगम, महारानी, तपस्विनी.

2. क्रान्तिकारी महिलाएँ (1930 ई. – 1943 ई. तक) 193–210

शान्तिघोष और सुनीति चौधरी, श्रीमती इंदुमति सिंह, श्रीमती लीला नाग, श्रीमती रेणुका सेन, श्रीमती अमिता सेन, श्रीदेवी मुत्सद्दी, प्रकाशवतीपाल, कुमुदिनी, दीदी सुशीला मोहन, कल्पना दत्त (जोशी), सावित्री देवी, वीणा दास, कल्याणी दास, शोभारानी दत्त, प्रीतिलता वाडेदार, कल्याणी देवी, दुर्गा भाभी या दुर्गा देवी, कमला देवी चट्टोपाध्याय, रानी गिडालू (गाइडिन्ल्यू), नेली सेनगुप्त, ज्योतिकणा दत्त, वनलता दास गुप्ता, सुहासिनी गांगुली, सरला देवी, ननिबाला देवी, यमुना देवी, उज्जवला मजूमदार.

3. 'भारत छोड़ो आन्दोलन' (1942 ई.) में भाग लेने वाली प्रमुख भारतीय महिलाएँ 211–225

मातंगिनी हाजरा, कनकलता बरुआ, सरोजिनी नायडू, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी, विजयलक्ष्मी पण्डित, श्रीमती कस्तूरबा गांधी.

'भारत छोड़ो आन्दोलन' में भाग लेने वाली अन्य महिलाएँ

अक्ल देवी, फुलेश्वरी, रत्नमाला और भोगेश्वरी देवी फूकन, राधिका देवी, रुक्मिणीबाई, डॉक्टर कुमारी प्रभावती, कुमारी जयावती सिंघवी, रजनी घोष, मालती देवी चौधरी.

4. भारत में बसी प्रसिद्ध विदेशी महिलाएँ 226–238

रोजा लक्जेमबर्ग, श्रीमती डाना मार्शमेन, मेडलीन स्लेड उर्फ मीराबेन, लेडी डफरिन, मारग्रेट किजिन्स, पेट्रोवा ब्लावत्सकी, श्रीमती एनी बेसेंट, एनि मेस्करेने, भगिनी निवेदिता, मैडम भीकाजी कामा, श्रीमती ओगलटीन.

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस द्वारा संचालित 'आजाद हिन्द आन्दोलन' में शामिल महिलाएँ

श्रीमती एम. ए. चिदम्बरम् और कुमारी जानकी थीवर्स, श्रीमती गुरुदयाल कौर, कुमारी ज्योतिर्मयी गांगुली, कैप्टन डॉ. लक्ष्मी सहगल स्वामीनाथन.

स्वतन्त्रता के बाद रियासतों के विलीनीकरण के लिए चले आन्दोलन में शामिल महिलाएँ

श्रीमती वीरम्मा, श्रीमती रामम्मागज्जा, कुमारी राधा पाटनकर.

5. आधुनिककाल की अन्य चर्चित महिलाएँ 239–260

श्रीमती जानकी देवी, श्रीमती स्नेहलता वर्मा, बासन्ती देवी, प्रभावती देवी, अनुसुइया बेन, सावित्रीबाई फूले, कादम्बिनी गांगुली, श्रीमती रमादेवी, कालीबाई, शहीद राधा देवी, श्रीमती रामप्यारी देवी शर्मा, शहीद सीता देवी, विद्यावती, डॉ. सुशीला नैयर, राजकुमारी अमृतकौर, लक्ष्मीबाई केलकर, डॉक्टर आनंदीबाई जोशी, स्वर्णमणि, जगतारिणी देवी, भगवती देवी, स्वरूपरानी नेहरू, कुन्दनदेवी मालवीय, श्रीमाँ, रमाबाई रानडे, पंडिता रमाबाई, माँ शारदा देवी, सुखदा देवी.

स्वतन्त्रता सेनानी, स्वतन्त्रता से पूर्व

अवन्तीबाई लोधी, डॉ. दुर्गाबाई देशमुख, राज मोहिनी देवी, अवन्तीबाई गोखले, अम्मू स्वामीनाथन, मणिबेन वल्लभभाई पटेल, जगरानी देवी, रल्लीदेई, मूलवन्ती देवी, यमुना देवी, ऐसुबाई, रामरखी, सुशीला देवी, अनुसूइया बाई काले, श्रीमती कमला नेहरू, डॉ. कृष्णाबाई निम्बारकर, नूर-अननिसा इनायत खान.)

6. भारतीय राजनीति में चर्चित महिलाएँ 261–464

श्रीमती इंदिरा गांधी, अरुणा आसफ अली, बेगम कुदसिया ऐजाज रसूल, श्रीमती इंदिरा मायाराम, श्रीमती जमुना देवी, यशोदा देवी, श्रीमती कमला, शारदा भार्गव, श्रीमती एलसी आजियर, कांता कथूरिया, राजमाता गायत्री देवी, अनीसा बेगम यूसुफ अली मिर्जा, कृष्णा कुमारी, नंदिनी सत्पथी, शशिकला कारोडकर, मार्गरेट अल्वा, उजला अरोड़ा, विद्या पाठक, श्रीमती शारदा मुखर्जी, सईदा अनवरा तैमूर, नजमा, हेपतुल्ला, निर्मला कुमारी शक्तावत, वायलेट अल्वा, पुपुल जयकर इंदुबाला सुखाड़िया, वसुंधरा राजे सिंधिया, सुश्री मायावती, जया जेटली, सुश्री जे. जयललिता, श्रीमती बीनाकाक, श्रीमती जकिया, श्रीमती मोहसिना किदवई, श्रीमती रामदुलारी सिन्हा, श्रीमती चन्द्रावती, डॉ. गिरिजा व्यास, फूलन देवी, कृष्णेन्द्र कौर दीपा, महेन्द्र कुमारी, सुक्खी टर्नर, उषा मीणा, दिव्या सिंह, राजिंदर कौर भट्टल, उषा रावत, श्रीमती पल्लविका पटेल, कैथरीन, राबड़ी देवी, शशि यू. त्रिपाठी, श्रीमती एम. फातिमा बीबी, नर्गिस दत्त, सोनिया गांधी, वी. एस. रमा देवी, सुश्री सईदा सैदेन हमीद, सुश्री ममता बनर्जी, सुश्री कमलेश शर्मा, सुश्री सावित्री कुनाडी, लक्ष्मी पार्वती, जया बच्चन, श्रीमती आभा महतो, इला पन्त, डॉ. (श्रीमती) बीट्रिक्स डिसूजा, प्रभा ठाकुर, रमा पायलट, डॉ. रीता वर्मा, डॉ. (श्रीमती) रजनी राय, अमरजीत कौर, श्रीमती शशि दत्ता, चोकिला अय्यर, श्रीमती ऊषा नारायणन, डॉ. श्रीमती मोहिनी गिरी, सुश्री उमा भारती, शीला दीक्षित, सुषमा स्वराज, मेनका गांधी, आनन्दी बेन जे. पटेल, श्रीमती लक्ष्मी एम. पुरी, फातिमा बी., जानकी रामचन्द्रन, वैजयन्तीमाला बाली, शन्नो देवी, प्रीता डी. बंसल, डॉ. शीमा रिजवी, बीबी जागीर कौर, विभा पार्थसारथी, सुमित्रा राजे भोंसले, शबाना आजमी, डॉ. राजेन्द्र कुमारी वाजपेयी, प्रियंवदा देवी, प्रतिभा भारती, श्रीमती रेणु कुमारी, श्रीमती कान्ति सिंह, सुमित्रा महाजन, सुमित्रा महारिया, जयश्री बनर्जी, रत्ना सिंह, श्रीमती विजया चक्रवर्ती, श्रीमती जे. (जयवन्ती) मेहता, बेगम नूरबानो, रीना चौधरी, श्रीमती श्यामा (सिन्हा), शीला गौतम, सुशीला सरोज, कुसुम राय, गुलाबदेवी, जसकौर मीणा, श्रीमती प्रभा द्विवेदी, अरुन्धती घोष, मीरा कांवरिया, कमला जान, श्रीमती प्रेमलता कटियार, नीलम डी. सभरवाल श्रीमती कृष्णा गहलावत, श्रीमती सुजाता वसन्त मनोहर, शबनम बानो (मौसी), श्रीमती मधु दाधीच, श्रीमती सुमित्रा कुलकर्णी, श्रीमती कुमकुम राय, श्रीमती जमुना बारूपात, स्व. गीता मुखर्जी, ऊषा किरण, सुश्री कान्ता भटनागर, जागीर कौर सेखों, पंचमार्थी अनुराधा, पुष्पलता कांवरे, ए. उमा माधव रेड्डी, कुमुदिनी पटनायक, अरुणा देवी, हेमामालिनी, रीता सिंह, सुमित कौल अटवाल, वीना सीकरी, राधाबाई,

आशा देवी उर्फ अमरनाथ यादव, श्रीमती सतवन्त कौर, श्रीमती रेणुका डीन, रानी जान पायल, स्व. विजया राजे सिंधिया, निशाबने चौधरी, सुचित्रा मित्रा, डॉ. सविता इनामदार, सुश्री नफीज फजल, बीबी गुरचरण कौर, निरूपमा राव, सुश्री गोकुल इन्द्रा, पद्मिनी राजे माधवराव पटवर्धन, सुश्री मंजू प्रकाश, शशि यादव, सुशीला गोपालन, प्रमिला दण्डवते, सरला ग्रेवाल, डॉ. पूर्णिमा आडवाणी, डी. के. तारादेवी, प्रमिला बोहिदार, सुश्री देवी, तारिणी कान्तारे, एन. पी. दुर्गा, अलका बेन, सुमित्रा देवी, जयाप्रदा, गीता देवी, गायत्री देवी, विजय कुमारी, शान्तादेवी प्रताप सिंह गायकवाड़, श्रीमती पूनम सागर, शोभाबाई, उर्मिला सिंह, डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह साधो, सुश्री गंगाबाई उरैती, श्रीमती सुलोचना रावत, सुश्री कौशल्या गोंटिया, जसवन्त कौर, श्रीमती माया प्रसाद, श्रीमती अमिता सिंह, स्व. हलामित्र, श्रीमती अनुराधा चौधरी, नीता लोधी, भावनाबेन चिरुलिया, डॉ. पवन सुराणा, रजिया तबस्सुम, डॉ. लिंडा बाबूलाल, सुमित्रा सिंह, श्रीमती मीरा कुमार, सुश्री एस. (सुब्बालक्ष्मी) जगदीशन, पी. (पानाबाका) लक्ष्मी, सुश्री सूर्यकान्ता पाटिल, सुशीला केरकट्टा, कु. (कुमारी) शैलाजा, करुणा शुक्ला, सुश्री नीता पटेरिया, बी. सुशीला, किरण माहेश्वरी, ऊषा वर्मा, रुबाब सईदा, रेणुका चौधरी, श्रीमती ऊषा पूनिया, रेणुका सिंह, सुखबंस कौर भिंडर, श्रीमती अम्बिका सोनी, मोहसिना किदवई, शकुन्तला हेगड़, रंजना वाजपेयी, शादाब फातिमा, रश्मि अरुण शर्मा, विभा पटेल, चन्द्रमुखी यादव, इंग्रिड मैक्लिओड, चित्रा नारायणन, रोजलीन बेकमेन, रजनी पाटिल, रेलम चौहान, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, श्रीमती सुशीला हांसदा, नीरा यादव, नीवा कोनवर, सुशीला तिरिया, मालिनी भट्टाचार्य, यास्मीन अबरार, मोतम्मा, अनुसूया, निर्मल सीतारामन व नफीसा हुसैन, लता उसेन्दी, श्रीमती कृष्णा गौर, प्रिया दत्त, सुश्री डी. पुरंदेश्वरी, श्रीमती मरबेल रिबेलो, सावित्री जिन्दल, किरण चौधरी, महादेवी ताई, सुप्रिया सुले, लक्ष्मी सिंह, सुश्री सी. टी. मिश्र, स्वाति दांडेकर, मीणा मण्डल, इला देवी, कैरेन हिल्टन, सुश्री आशा स्वरूप, सुश्री लीली के. पोणप्पा, श्रीमती ओमवती, वी. राधिकासेल्वी, श्रीमती विद्या चौधरी, श्रीमती प्रतिभा पाटिल, श्रीमती बीना महराना, सुजाता सिंह, स्व. श्रीमती प्रभा राव.

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्त अन्य महिलाएँ

देविका रानी, सुलोचना रूबी मायर, कानन देवी, दुर्गा खोटे, लता मंगेशकर, आशा भोंसले (इनमें से लता मंगेशकर व आशा भोंसले का विवरण चर्चित गायिकाओं के अन्तर्गत हैं).